भारत सरकार
कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3963
(दिनांक 12.08.2026 को उत्तर के लिए)

मिशन कर्मयोगी

†3963. श्री माधवनेनी रघुनंदन राव :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आईजीओटी कर्मयोगी प्लेटफॉर्म के माध्यम से मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत कितनी प्रगति हुई है और कितने मंत्रालयों, विभागों, संगठनों, प्रशिक्षण संस्थानों और सरकारी कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया है;

(ख) इस प्लेटफॉर्म पर कितने पाठ्यक्रम और सीखने के घंटे उपलब्ध कराए गए हैं और इसमें कौन-कौन से प्रमुख योग्यता क्षेत्र शामिल किए गए हैं; और

(ग) सरकारी कर्मचारियों के लिए निरंतर क्षमता निर्माण और डिजिटल शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री (डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क) से (ग) : भारत सरकार द्वारा मिशन कर्मयोगी, राष्ट्रीय सिविल सेवा क्षमता विकास कार्यक्रम (एनपीसीएससीबी) को सितंबर, 2020 में अनुमोदन प्रदान किया गया था जिसका लक्ष्य 'नियम आधारित' से 'भूमिका आधारित' मानव संसाधन प्रणाली को अपनाना तथा भारतीय नैतिक मूल्यों से जुड़े रहते हुए वैश्विक दृष्टिकोण के साथ सिविल सेवकों को तैयार करना था।

मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत स्थापित आईगॉट कर्मयोगी डिजिटल अधिगम (लर्निंग) पोर्टल के परिमाण और पहुंच का लगातार तेजी से विस्तार हो रहा है। वर्तमान में, इस पोर्टल पर 1.7 करोड़ से ज्यादा पंजीकृत प्रयोक्ता हैं। इस पोर्टल पर विषयात्मक (डोमेन), कार्यात्मक और व्यवहारात्मक सक्षमताओं पर 5,600 से ज्यादा पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जिसमें अधिगम के कुल 6,953 घंटे शामिल हैं। ये पाठ्यक्रम अंग्रेजी और हिंदी सहित 23 भाषाओं में उपलब्ध हैं, जो इसे व्यापक रूप से सुगम्य बनाने और क्षेत्रीय तथा भाषायी जरूरतों के अनुरूप बनाने में समर्थ बनाता है। आईगॉट पर, अब तक 14.42 करोड़ से ज्यादा पाठ्यक्रम पूर्ण किए जा चुके हैं।

सरकार के सभी स्तरों पर निरंतर क्षमता विकास और डिजिटल अधिगम (लर्निंग) को मजबूत बनाने के लिए, केंद्र सरकार, राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों के कर्मचारियों के साथ-साथ शहरी और ग्रामीण स्थानीय निकायों को भी आईगॉट पर शामिल किया गया है। भूमिका-आधारित प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के लिए, सभी मंत्रालयों, विभागों और संगठनों (एमडीओ) के लिए क्षमता विकास योजनाएं बनाई जा रही हैं। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), क्षमता विकास आयोग (सीबीसी) और एसपीवी कर्मयोगी भारत (केबी) के साथ मिलकर प्रगति की लगातार निगरानी करता है और इस संबंध में सभी हितधारकों को आवश्यक सहायता उपलब्ध करवाता है। सरकारी कर्मचारियों को भी डिजिटल अधिगम के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाता है तथा विशेष पहलों जैसे कि राष्ट्रीय अधिगम सप्ताह- कर्मयोगी सप्ताह (अक्टूबर 2024 में आयोजित) और साधना सप्ताह (अप्रैल 2026) के माध्यम से निरंतर सीखने की भावना को प्रोत्साहित किया जाता है।

*****